This question paper contains 3 printed pages.

7357 आपका अनुक्रमांक.....

M.A. /II **AC**

SANSKRIT - COURSE 14 (GROUP F)
(Epigraphy)

समय : 2 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी :– अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न–पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए।
Note :- Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English.

टिप्पणी :– प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम0ए0 संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन –फार्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का सामानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षा–फल तैयार करते समय किया जायगा।
Note :- Maximum marks mentioned in this question paper are valid for candidates of Category 'B' (School of Open Learning, Non - Formal Cell, etc.) For candidates of Category 'A' (Regular candidates) re-determination of marks will be done while preparing results of the examination.

भाग 'क' अनिवार्य है।
*भाग 'ख' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिऐ।*
*Part **'A'** is compulsory.*
*Attempt any **two** questions from Part **'B'**.*

भाग 'क'
Part 'A'

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:
Explain any two of the following with reference to context *10*

क. विनयबलसुनीतैर्विक्रमेण क्रमेण
प्रतिदिनमभियोगादीप्सितं येन लब्धवा ।
स्वभिमताविजिगीषा प्रोद्यतानां परेषां
प्रणिहित इव लोके संविधानोपदेश : ।।
विचलितकुललक्ष्मी स्तम्भनायोद्यतेन
क्षितितलथयनीये येन नीतास्त्रियामा :।
समुदितबलको षान्पुष्यमित्रांश्च जित्वा
क्षितिपचरणपीठे स्थापितो वाद पाद :।।

ख. सर्व्वपृथिवीविजयजनितोदयव्याप्तनिखिलावनितलां कीर्तिमितास्त्रदशपतिभवनगमनावाप्तलळितसुखविच–
रणामचक्षाण इव भुवो बाहुरयमुच्छ्रित : स्तम्भः।
प्रदानभुजविक्रम प्रशमशास्त्र वाक्योदयैरुपर्य्युं परिसज्चयोच्छ्रितमनेकमार्ग्गं यशः।
पुनाति भुवनत्रयं पशुपतेर्ज्जटान्तर्गुहा –
निरोधपरिमोक्षशीघ्रमिव पाण्डु गाङ्गं पघः।

ग. ममाग्निहोत्रोपयोगाय अप्रदा प्रहतखिलक्षेत्रं त्रैदीनारिक्यकुल्यवापेन शश्वता चंद्रार्कतारकाभोज्ये तया नीविधर्म्मेण दातुमिति एवं दीयतामित्युत्पन्ने जीणि दीनाराण्युपसंगृत्छ यतः पुस्तपालरिशि दत्तजयनन्दि विभुदत्तानामवधारणया डोङ्गाया उत्तरपश्चिमोद्देशे कुल्यवापमेकं दत्तम्। स्वदत्ता परदत्तां वा यो हरेत वसुन्धरां भूमिदानसम्बद्धाः श्लोका भवान्ति स विष्ठायां कृमिर्भूत्वा पितृभि सह पच्यते इति।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए
Write a note in SANSKRIT on any one of the following :
विष्टी, उद्रङ्ग, परमभागवत, भूमिच्छिद्रन्याय *05*

3. संलग्न फोटो प्रति से यशोधर्म्मा (विष्णुवर्धन) कालीन कूप अभिलेख की पंक्ति संख्या 3 से 6 को देवनागरी अथवा रोमन लिपि मे रूपान्तरित कीजिए।
Translate into Devanagari or Roman Script Line numbers 3 to 6 of the well Inscription of the period of Yashodharma (Vishnuvardhan) from the photocopy attached. *15*

भाग 'ख'
Part 'B'

4. चन्द्र के मेहरौली लौह स्तम्भ अभिलेख के आधार पर गुप्त साम्राज्य की प्रारम्भिक स्थिति को स्पष्ट कीजिए।
Clarify earlier days of the Gupta Empire on the basis of the Meharauli Iron Pillar Inscription of Chandra. *10*

5. गुप्त कालीन अभिलेखों का साहित्यिक मूल्यांकन कीजिए।
Discuss the literacy status of the inscriptions beloning to the Gupta period. *10*

6. गुप्त साम्राज्य के पतन के कारणों पर प्रकाश डालिए।
Define the causes of the decline of the Gupta Empire. *10*

7. गुप्त कालीन धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
Describe the religious, economic, social and political conditions prevailing during the Gupta period. *10*

S-1862
1